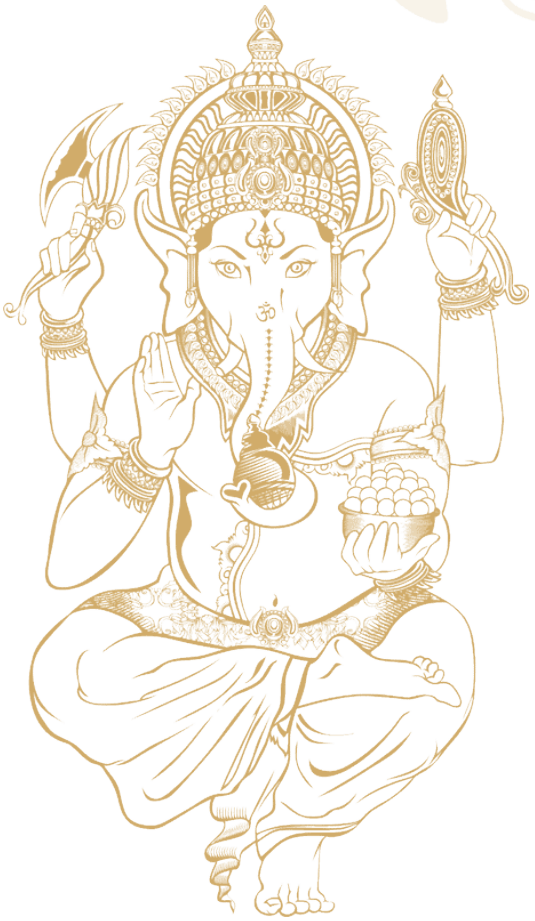

17 Aug 2005

08:58 AM

New Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121919602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/08/2005**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:58:00 घंटे**
इष्ट	07:46:18 घटी
स्थान	**New Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:36:00 उत्तर
रेखांश	77:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:36:48 घंटे
वेलान्तर	-00:04:05 घंटे
साम्पातिक काल	06:19:16 घंटे
सूर्योदय	05:51:28 घंटे
सूर्यास्त	18:58:29 घंटे
दिनमान	13:07:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:24:02 सिंह
लग्न के अंश	10:18:33 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	प्रीति
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:18:33	318:04:28	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	00:24:02	00:57:40	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	23:24:08	14:56:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	16:46:27	00:28:59	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध			कर्क	14:52:35	00:07:09	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	21:54:24	00:10:10	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	06:05:04	01:11:12	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	नीच राशि
शनि			कर्क	10:06:35	00:07:26	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	20:57:11	00:06:35	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	20:57:11	00:06:35	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	15:26:15	00:02:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	22:02:21	00:01:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:57:33	00:00:30	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मिथु	10:29:03	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:05

लग्न-चलित

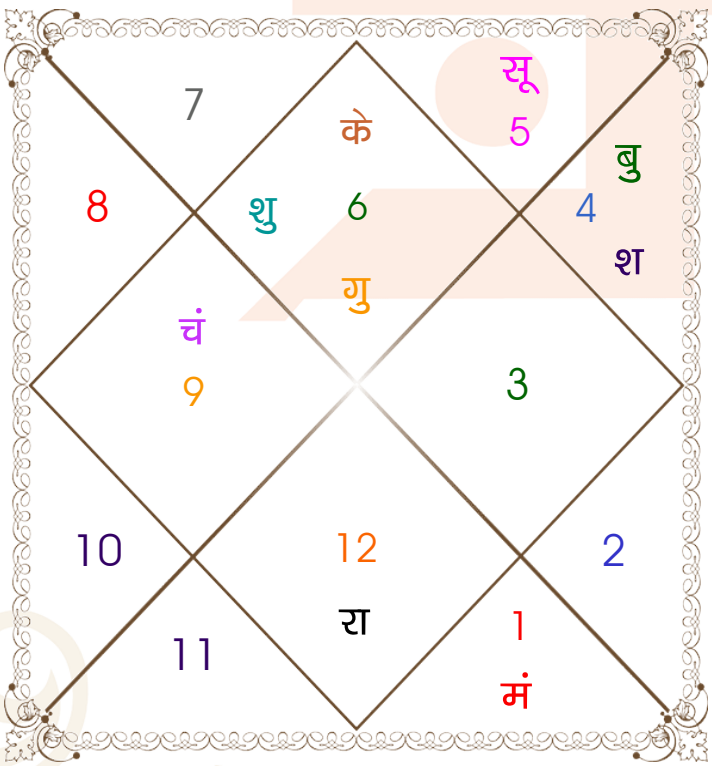

चन्द्र कुंडली

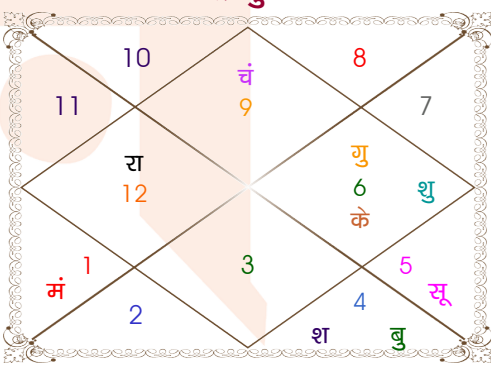

नवमांश कुंडली

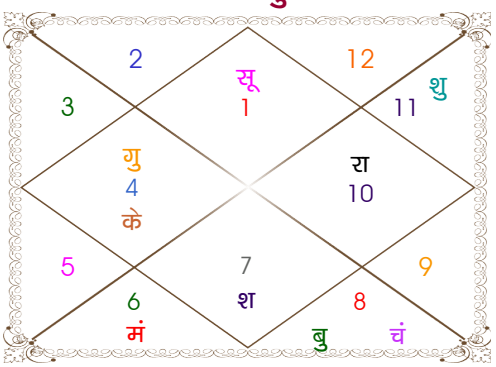

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 10 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/08/2005		10/07/2010		10/07/2016		10/07/2026		10/07/2033	
10/07/2010		10/07/2016		10/07/2026		10/07/2033		11/07/2051	
	00/00/0000	सूर्य	28/10/2010	चंद्र	10/05/2017	मंगल	06/12/2026	राहु	22/03/2036
	00/00/0000	चंद्र	29/04/2011	मंगल	09/12/2017	राहु	25/12/2027	गुरु	16/08/2038
	00/00/0000	मंगल	03/09/2011	राहु	10/06/2019	गुरु	30/11/2028	शनि	22/06/2041
	00/00/0000	राहु	28/07/2012	गुरु	09/10/2020	शनि	09/01/2030	बुध	09/01/2044
	00/00/0000	गुरु	16/05/2013	शनि	10/05/2022	बुध	06/01/2031	केतु	27/01/2045
	17/08/2005	शनि	28/04/2014	बुध	10/10/2023	केतु	04/06/2031	शुक्र	27/01/2048
शनि	10/07/2006	बुध	05/03/2015	केतु	10/05/2024	शुक्र	03/08/2032	सूर्य	21/12/2048
बुध	10/05/2009	केतु	11/07/2015	शुक्र	09/01/2026	सूर्य	09/12/2032	चंद्र	22/06/2050
केतु	10/07/2010	शुक्र	10/07/2016	सूर्य	10/07/2026	चंद्र	10/07/2033	मंगल	11/07/2051

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/07/2051		11/07/2067		10/07/2086		12/07/2103		11/07/2110	
11/07/2067		10/07/2086		12/07/2103		11/07/2110		00/00/0000	
गुरु	28/08/2053	शनि	13/07/2070	बुध	06/12/2088	केतु	08/12/2103	शुक्र	10/11/2113
शनि	10/03/2056	बुध	23/03/2073	केतु	03/12/2089	शुक्र	06/02/2105	सूर्य	10/11/2114
बुध	16/06/2058	केतु	01/05/2074	शुक्र	03/10/2092	सूर्य	14/06/2105	चंद्र	11/07/2116
केतु	23/05/2059	शुक्र	01/07/2077	सूर्य	10/08/2093	चंद्र	13/01/2106	मंगल	10/09/2117
शुक्र	21/01/2062	सूर्य	13/06/2078	चंद्र	09/01/2095	मंगल	11/06/2106	राहु	10/09/2120
सूर्य	09/11/2062	चंद्र	12/01/2080	मंगल	06/01/2096	राहु	29/06/2107	गुरु	12/05/2123
चंद्र	10/03/2064	मंगल	20/02/2081	राहु	26/07/2098	गुरु	04/06/2108	शनि	18/08/2125
मंगल	14/02/2065	राहु	28/12/2083	गुरु	31/10/2100	शनि	14/07/2109		00/00/0000
राहु	11/07/2067	गुरु	10/07/2086	शनि	12/07/2103	बुध	11/07/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।